जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

02 अक्टूबर 2022

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने दी महात्मा गांधी को 153वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने महात्मा गांधी की 153वीं जयंती पर आज कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यवाहक कुलपति प्रो. मोहम्मद शकील ने विश्वविद्यालय के डॉ. जाकिर हुसैन पुस्तकालय में महात्मा गांधी पर पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उनके बारे में अधिक जागरूकता और जानकारी देने के लिए पुस्तकालय द्वारा रखे गए महात्मा गांधी के कुछ व्यक्तिगत पत्र, कागजात और अन्य अभिलेखीय सामग्री भी प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गई।

प्रो शकील ने डॉ. जाकिर हुसैन पुस्तकालय में मुख्य समारोह की अध्यक्षता की जिसमें प्रोफेसर फरहत नसरीन द्वारा महात्मा गांधी पर व्याख्यान, हिंदी विभाग के एक छात्र द्वारा कविता पाठ, शिक्षा संकाय के छात्रों द्वारा समूह गीत, समाज कार्य विभाग के छात्र द्वारा भाषण और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल थे। समारोह में जामिया के रजिस्ट्रार प्रो. नाजिम हुसैन जाफरी, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर (डीएसडब्ल्यू) प्रो. इब्राहीम, यूनिवर्सिटी लाइब्रेरियन डॉ. तारिक अशरफ और विश्वविद्यालय के कई शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

समारोह की शुरुआत जामिया के रजिस्ट्रार प्रो. नाजिम हुसैन जाफरी के स्वागत भाषण के साथ हुई और उसके बाद डीएसडब्ल्यू प्रो. इब्राहीम ने एक परिचयात्मक टिप्पणी की।

इतिहास विभाग, जामिया की अध्यक्ष प्रो. फरहत नसरीन,ने मिस्टिसिज्म एंड महात्मा गांधी' पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने ज़ोर दिया कि महात्मा गांधी निश्चित रूप से मिस्टिक्स और विज़नरीज़ की श्रेणी में हैं जो दूसरों की भलाई के लिए अपना जीवन समर्पित कर देते हैं। उन्होंने मानवता और मानवतावाद के मूल्यों को रेखांकित करने के लिए महात्मा गांधी की आत्मकथा का उल्लेख किया। यह ध्यान रखना चाहिए कि गांधी जी ने हमेशा कि हमें अपने राष्ट्र और इसकी अहिंसा और सत्य की अमूल्य संस्कृति पर गर्व करने उपदेश दिया।

इस अवसर पर कार्यवाहक कुलपति एवं अन्य अतिथियों ने डॉ. जाकिर हुसैन पुस्तकालय द्वारा तैयार की गई महात्मा गांधी पर 1500 से अधिक पुस्तकों की एक ग्रंथ सूची भी जारी की।

कार्यक्रम का समापन विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. तारिक अशरफ द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ और अंत में सभा द्वारा राष्ट्रगान गाया गया।

गांधी जयंती मनाने हुए विभाग स्तर पर आज और कल कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। समाजशास्त्र विभाग, जामिया ने 01 अक्टूबर 2022 को प्रोफेसर आनंद कुमार (प्रख्यात समाजशास्त्री और सेवानिवृत्त प्रोफेसर, सीएसएसएस/ एसएसएस, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय) द्वारा "सतत विकास लक्ष्य और गांधीवादी मार्ग" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्यों और उसी की प्राप्ति में गांधीवादी तरीके के महत्व की चर्चा की। उन्होंने समकालीन समाज में सामाजिक पहलुओं पर भी चर्चा की जो सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिक न्याय के बारे में गांधी की दृष्टि से प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने आगे जिम्मेदारी के विचार के बारे में बात की और स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य, शिक्षा, उपभोग, उत्पादन और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के संदर्भ में इसका क्या अर्थ है।

मुशीर फातमा नर्सरी स्कूल, जामिया ने स्कूल परिसर में बहुत उत्साह के साथ गांधी जयंती मनाई। राष्ट्रपिता की जयंती मनाने के लिए नन्हे-मुन्नों द्वारा कई कार्यक्रम किए गए। एक छात्र द्वारा गांधी की व्यक्तिगत भूमिका निभा कर उनके कृत्यों को, उनके जीवन और उनकी विचारधाराओं को चित्रित किया गया, छात्रों के एक समूह द्वारा गांधी पर कविता, गांधी जी के तीन बंदरों की कठपुतली द्वारा प्रस्तुति और एक समूह नृत्य के माध्यम से महान स्वतंत्रता सेनानी को याद किया गया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया